मैया तू जाने | By Anuradha Paudwal |

माँ तेरे हाथों में तक़दीर मेरी
दु:ख दे या सुख दे मर्ज़ी है तेरी
आई हूँ चरणों में अर्ज़ी लगाने
आगे तू जाने तेरा काम जाने
आगे तू जाने तेरा काम जाने

राख मुझे तू राजमहल में
चाहे झोपड़ियों में
चाहे दे सिंहासन चाहे
भटका तू गलियों में
तुमसे न कोई शिकवा करूँगी
जैसे रखोगी वैसे रहूँगी
मैया आई अपने मन की बात बताने
आगे तू जाने तेरा काम जाने
माँ तेरे हाथों में तक़दीर मेरी

है तीनों लोकों पे मैया
एक तेरी ही सत्ता
बिन तेरे मर्ज़ी के काग में
न हिल सकता पत्ता
तेरे हवाले है मेरी नैया
पार लगा या डुबो दे तू मैया
आई जीवन की डोर थामने
आगे तू जाने तेरा काम जाने
माँ तेरे हाथों में तक़दीर मेरी

अष्ट सिद्धि नव निधि की दाता
और मैं दीन भिखारन
भीख दया की माँगी बस
इतनी ये तेरी पुजारन
मांगू ख़जाना न महल दुमहले
जाऊँगी कहीं न अपनी हाथ फैलाने
आगे तू जाने तेरा काम जाने

माँ तेरे हाथों में तक़दीर मेरी
आई हूँ चरणों में अर्ज़ी लगाने
आगे तू जाने तेरा काम जाने
आगे तू जाने तेरा काम जाने
माँ तेरे हाथों में तक़दीर मेरी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a5%82-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%87-by-anuradha-paudwal/